ISBN : 978-93-92568-77-0

ई-संविदा के विधिक सिद्धांत

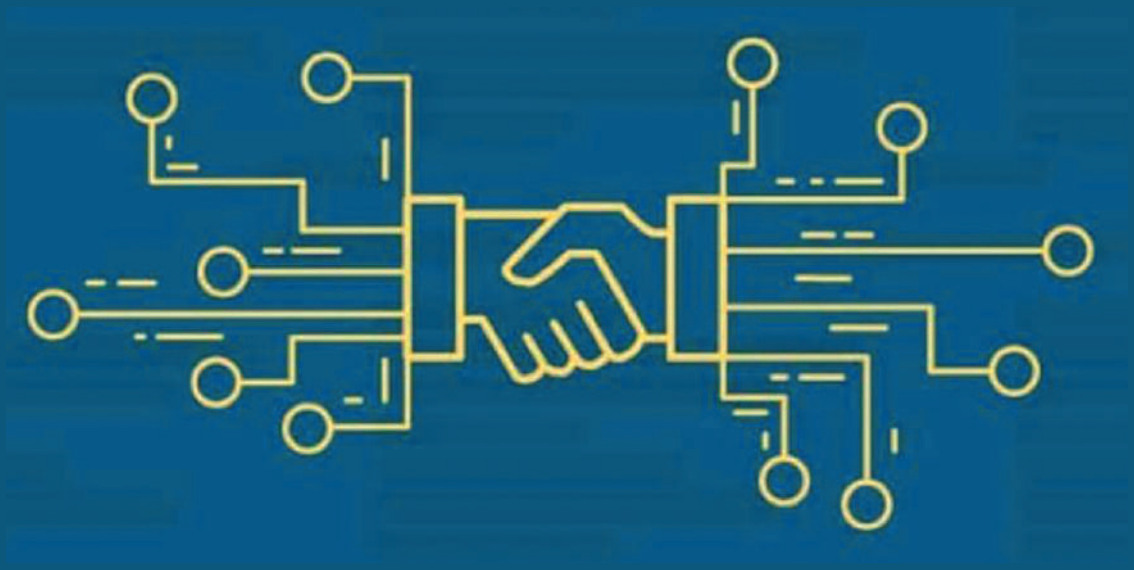

डॉ. ओमेन्द्र सिंह

ई–संविदा के विधिक सिद्धांत

डॉ. ओमेन्द्र सिंह
सह–आचार्य (एसोसिएट प्रोफेसर)
विधि विभाग,
ब्रह्मानंद कॉलेज
दि माल कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश, भारत

Publisher :
Aditi Publication, Raipur, Chhattisgarh, INDIA

ई–संविदा के विधिक सिद्धांत

Year: **2024**
Edition - **01**

लेखक
डॉ. ओमेन्द्र सिंह
कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश, भारत

ISBN : **978-93-92568-77-0**

Copyright© All Rights Reserved
No parts of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of original author.

Price : Rs. **450/-**

Publisher & Printed by:
Aditi Publication,
Opp. New Panchajanya Vidya Mandir, Near Tiranga Chowk,
Kushalpur, Raipur, Chhattisgarh, INDIA
+91 9425210308

अनुक्रमणिका

अ.क्र.	विवरण	पृ.क्र.
01.	**सामान्य परिचय** परिचय ई–संविदाओं का इतिहास वर्तमान में प्रचलित ई–संविदायें ई–संविदाओं के प्रकार ई–संविदाओं का निर्माण ई–संविदाओं से संबंधित भारतीय अधिनियम ई–संविदाओं का निष्पादन अंतर्राष्ट्रीय ई–संविदा विधि एवं भारत ई–संविदा में आने वाली चुनौतियां पारंपरिक संविदा और ई–संविदा की तुलना	01
02.	**संविदा विधि के सामान्य सिद्धान्त** प्रस्तावना संविदा का निर्माण विधिक संबंध बनाने का आशय प्रस्थापना अथवा प्रस्ताव वैध प्रस्थापना के आवश्यक तत्व प्रस्थापना की संसूचना प्रस्थापना की संसूचना का पूर्ण होना चलत प्रस्थापना प्रति प्रस्थापना प्रस्थापना का प्रतिसंहरण प्रतिग्रहण अथवा स्वीकृति प्रतिग्रहण का महत्त्व	52

	प्रतिग्रहण के आवश्यक तत्त्व प्रतिग्रहण का प्रतिसंहरण प्रतिफल संविदा की सक्षमता अवयस्कता विकृतचित्तता स्वतंत्र सहमति करार एवं संविदाओं का वर्गीकरण करार के प्रकार संविदा के प्रकार शून्य संविदा व अवैध संविदा में अंतर शून्य व शून्यकरणीय संविदा में अंतर संविदाओं का उन्मोचन संविदा नैराश्य का सिद्धान्त या संविदा पालन की असंभवता का सिद्धान्त संविदा विफलता या संविदा नैराश्य के आधार संविदा कल्प का सिद्धांत संविदा भंग के उपचार क्षतिपूर्ति	
03.	**ई–संविदाओं का निर्माण एवं सिद्धांत** प्रस्तावना ई–संविदा का अर्थ एवं परिभाषा ई–संविदाओं का निर्माण प्रस्ताव और ई–प्रस्ताव इलेक्ट्रानिक प्रस्ताव की स्वीकृति ई–संविदा में विधिक संबंध स्थापित करने के आशय का होना विधिपूर्ण प्रतिफल पक्षकारो की सक्षमता	**107**

	स्वतंत्र सहमति विधिपूर्ण उद्देश्य विधिक औपचारिकता डिजिटल हस्ताक्षर ई–संविदाओं का वर्गीकरण ई–संविदाओं में विवाद संविदात्मक विवाद गैर–संविदात्मक विवाद	
04.	**भारतीय परिपेक्ष्य में ई–संविदाओं से सम्बधित विधियां एवं विधिक मुद्दे** प्रस्तावना ई–संविदाओं से संबंधित प्रावधान भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 से संबंधित प्रावधान सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अर्न्तगत ई–संविदाओं से संबंधित प्रावधान भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अंतर्गत ई–संविदाओं से संबंधित प्रावधान भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007	**141**
05.	**ई–संविदा एवं भारतीय विधि व्यवस्था की प्रभावशीलता** परिचय ई–संविदायें और व्यापार ई–संविदाओं का विधिक विनियमन ई–संविदा विधिः वैश्विक अनुभव ई–संविदाओं की प्रकृति और भारतीय विधि ई–संविदाओं की मान्यता और वैधता ई–संविदाओं के प्रवर्तन से संबंधित मुद्दे श्रिंक–रैप संविदाओं की प्रवर्तनीयता	**178**

	क्लिक–रैप संविदाओं की प्रवर्तनीयता ब्राउज–रैप संविदाओं की प्रवर्तनीयता ई–संविदाओं में क्षेत्राधिकार संबंधी मुद्दे राष्ट्रीय (भारतीय) परिपेक्ष्य में क्षेत्राधिकार अन्तर्राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में क्षेत्राधिकार ई–संविदाओं का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यापारिक प्रभाव	
	सन्दर्भ ग्रंथ सूची	**240**

डॉ. ओमेन्द्र सिंह

डॉ. ओमेन्द्र सिंह, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से सम्बद्ध ब्रह्मानन्द कॉलेज, कानपुर के विधि विभाग में सह-आचार्य विधि के पद पर कार्यरत् है और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से अकादमिक काउंसलर एवं सहायक समन्वयक (IGNOU SC27197) के रूप में भी जुड़े हुये हैं। उन्होंने वर्ष 2004 में मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ से एल-एल.बी., वर्ष 2006 में मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ से एल-एल.एम. की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने वर्ष दिसम्बर 2005 में यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की। विद्यावाचस्पति की उपाधि श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबरेवाला विश्वविद्यालय, राजस्थान से वर्ष 2024 में हुई है। उनके नाम पर प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में बहुसंख्या में प्रकाशन हैं। उन्होंने विभिन्न संगोष्ठियों/सम्मेलनों इत्यादि में प्रतिभाग किया है और अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये हैं। उनके द्वारा लिखित पुस्तक जिसका शीर्षक ' कम्पनी लॉ 'है, पूर्व में प्रकाशित हो चुकी है।

ISBN : 978-93-92568-77-0

9 789392 568770

Aditi Publication
Opp. New Panchjanya Vidya Mandir, Near Tiranga Chowk,
Kushalpur, Dist.- Raipur-492001, Chhattisgarh
shodhsamagam1@gmail.com, +91 94252 10308

₹ 450